

तीन ताप वदियुत गृहों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला

चर्चा में क्यों?

मध्यप्रदेश के तीन ताप वदियुत गृहों को [फ्लाई ऐश](#) के कुशल व प्रभावी प्रबंधन के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

मुख्य बंदि

■ पुरस्कार के बारे में:

- यह पुरस्कार मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी (MPPGCL) के श्री **सगिाजी ताप वदियुत गृह दोंगलिया, सतपुड़ा ताप वदियुत गृह सारनी व अमरकंटक ताप वदियुत गृह चचाई** को प्रदान किया गया।
- यह सम्मान फ्लाई ऐश उपयोगिता-2025 वषिय पर गोवा में आयोजित **14वें अंतर्राष्ट्रीय आवासीय सम्मेलन** के दौरान दिया गया।
 - यह सम्मेलन **मशिन एनर्जी फाउंडेशन** द्वारा आयोजित किया गया था, जो एक **गैर-लाभकारी संगठन** है।

■ पुरस्कार श्रेणी

- सतपुड़ा ताप वदियुत गृह और अमरकंटक ताप वदियुत गृह को यह पुरस्कार 500 मेगावाट स्थापति क्षमता से कम श्रेणी में प्रदान किया गया।
- जबकि श्री सगिाजी ताप वदियुत गृह को यह पुरस्कार 500 मेगावाट स्थापति क्षमता से अधिक श्रेणी में प्रदान किया गया।
- श्री सगिाजी ताप वदियुत गृह ने 100 प्रतिशत से अधिक फ्लाई ऐश का सतत् व प्रभावी उपयोग किया है।

फ्लाई ऐश

■ परिचय

- फ्लाई ऐश (Fly Ash) प्रायः **कोयला संचालित वदियुत संयंत्रों** से उत्पन्न प्रदूषक है, जसैं दहन कक्ष से नषिकासति गैसों द्वारा ले जाया जाता है।
- इसे इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटिटर या बैग फिल्टर द्वारा नषिकासति गैसों से एकत्त्र किया जाता है।
 - इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटिटर (ESP) को एक फिल्टर उपकरण के रूप में परभाषित किया जाता है, जसिका उपयोग प्रवाहति होने वाली गैस से धुएँ और धूल जैसे महीन कणों को हटाने के लिये किया जाता है।
 - इस उपकरण को प्रायः **वायु प्रदूषण** नयित्त्रण संबंधी गतिविधियों के लिये प्रयोग किया जाता है।

■ संयोजन

- फ्लाई ऐश में पर्याप्त मात्रा में **सलिकॉन डाइऑक्साइड (SiO₂)**, **एल्युमीनयिम ऑक्साइड (Al₂O₃)**, **फेरिक ऑक्साइड (Fe₂O₃)** और **कैल्शियम ऑक्साइड (CaO)** शामिल होते हैं।

■ अनुप्रयोग:

- इसका उपयोग कंकरीट और सीमेंट उत्पादों, रोड बेस, मेटल रकिवरी और मनिरल फलिर आदिमें किया जाता है।

■ हानिकारक प्रभाव:

- फ्लाई ऐश के कण वषिले वायु प्रदूषक हैं। ये हृदय रोग, कैंसर, श्वसन रोग और स्ट्रोक को बढ़ावा दे सकते हैं।

